CHAPTER - 14
गिरगिट

प्रश्न अभ्यास

खंड – क

प्रश्न 1:
ख्यूकिन ने मुआवजा पाने की क्या दलील दी ?

उत्तर 1:
हुजूर! मैं तो चुपचाप चला जा रहा था आप तो जानते हैं , मैं ठहरा एक कामकाजी आदमी... मेरा काम भी एकदम पेचीदा किस्म का है। मुझे लग रहा है एक हफ्ते तक मेरी यह उँगली अब काम करने लायक नहीं हो पाएगी। तो हुजूर! मेरी गुजारिश है कि इसके मालिकों से मुझे हरजाना दिलवाया जाए।

प्रश्न 2:
ख्यूकिन ने ओचुमेलॉव को उँगली ऊपर उठाने का क्या कारण बताया ?

उत्तर 2:
ख्यूकिन ने ओचुमेलॉव को उँगली ऊपर उठाने का क्या कारण बताते हुए कहा कि मैं सभी का इसके द्वारा यह बताना चाहता था कि मेरी इस उँगली पर इस कुत्ते द्वारा काट लिए जाने के कारण अब मै काम कैसे करूँगा ।

प्रश्न 3:
येल्दीरीन ने ख्यूकिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा?

उत्तर 3:
तू इतना लंबा–तगड़ा आदमी और यह रत्ती भर का जानवर! जरूर ही तेरी उँगली पर कोई कील वगैरह गड़ गई होगी और तत्काल तूने सोचा होगा कि इसे कुत्ते के मत्थे मढ़ कर इसके मालिकों से कुछ हरजाना वसूला जाए ।

प्रश्न 4:
ओचुमेलॉव ने जनरल साहब के पास यह संदेश क्यों भिजवाया होगा कि 'उनसे कहना कि यह मुझे मिला और मैंने इसे वापस उनके पास भेजा है'?

उत्तर 4:
इस कुत्ते को जनरल साहब के पास ले जाओ और पता लगाओ कि क्या यह उन्हीं का तो नहीं है? उनसे कहना कि यह मुझे मिला और मैंने इसे वापस उनके पास भेजा है। और उनसे यह भी विनती करना कि वे इसे गली में चले आने से रोकें। लगता है कि यह काफी मँहगा प्राणी है ।

प्रश्न 5:
भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है?

उत्तर 5:
भीड़ ख्यूक्रिन की हालत पर इसलिए हॅसने लगी क्योंकि उसने सबको इकट्ठा करे अपनी कटी हुई उंगली दिखाई सबकी सहानुभूति भी उसके साथ थी मगर जब उसयको ही दोषी ठहरा दिया गया तो भीड़ ख्यूक्रिन पर हँसने लगती है ।

खंड – ख

प्रश्न 1:
किसी कील–वील से उँगली छील ली होगी ऐसा ओचुमेलॉव ने क्यों कहा?

उत्तर 1:
जब ओचुमेलॉव को यह पता चला तो कि यह कुत्ता जनरल साहब के भाई का है तो उसका रुख बदल गया और उसने ख्यूक्रिन को ही दोषी ठहराते हुए उससे ही कहा कि तुम बेवजह ही इस कुत्ते को दोष दे रहे किसी कील–वील से तुम्हारी उंगली छिल गई होगी ओर तुम्हें इस कुत्ते द्वारा इसके मालिक से कुछ पैसा ऐंठने का बहाना मिल गया ।

प्रश्न 2:
ओचुमेलॉव के चरित्र की विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर 2:
ओचुमेलॉव बहुत ही भ्रष्ट , चालाक , और चापलूस आदमी था । जब तक उसे पता नहीं था कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है तब तक वह ख्यूक्रिन का साथ देता रहा , कुत्ते के मालिक को दोष देता रहा । जैसे ही उसे पता चला कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है वैसे ही उसने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया और ख्यूक्रिन को ही दोषी ठहरा दिया ।

प्रश्न 3:
यह जानने के बाद कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है ओचुमेलॉव के विचारों में क्या परिवर्तन आया और क्यों ?

उत्तर 3:
यह जानने के बाद कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है ओचुमेलॉव के विचारों में अचानक परिवर्तन आ गया क्योंकि वह बहुत ही धूर्त और चापलूस व्यक्ति था उसे लगा कि यदि वह जनरल साहब की चापलूसी कर लेगा तो उसकी तरक्की हो जाएगी । भीड़ का क्या है वह तो ऐसा करती ही रहती है ।

प्रश्न 4:
ख्यूकिन का यह कथन कि 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है....।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है?

उत्तर 4:
आज के जमाने में सभी लोग अपने–अपने अनुसार अपनी पहुँच के बारे में लोगों को बताते रहते हैं । यदि किसी का कोई भी रिश्तेदार चाहे वह दूर का ही क्यों न हो यदि वह किसी ऊँचे पद पर है तो उसके साथ अपना करीबी संबंध बताते हुए उसका रोब लोगों पर झाड़ते हैं । ख्यूक्रिन ने भी ऐसा ही किया और अपने भाई के पुलिस में होने की धमकी दे दी ।

प्रश्न 5:
इस कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' क्यों रखा होगा ? क्या आप इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक सुझा सकते हैं ? अपने शीर्षक का आधार भी स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 5:
इस कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' रखने के पीछे लेखक का यही मकसद रहा होगा कि समाज को उसकी वास्तविक तस्वीर दिखाई जा सके जैसा कि पाठ में हुआ । ख्यूक्रिन सही होते हुए भी गलत साबित हुआ । समय और परिस्थिति को देखते हुए इंसपेक्टर ने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया । इसीलिए इस कहानी का इससे अच्छा कोई शीर्षक नहीं हो सकता । यदि कोई और शीर्षक रखा भी जाए तो मौकापरस्ती रखा जा सकता है , क्योंकि इस कहानी में मौके के अनुसार कहानी बदलती रहती है ।

प्रश्न 6:
'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में भी देखते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 6:
'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की उन विसंगतियों की पर व्यंग्य किया गया है जिन्होंने हमारे समाज को खोखला करे रख दिया है आज के समय में सब अपनी जान–पहचान के अनुसार एक–दूसरे से कानूनी – गैरकानूनी काम करवा लेते हैं जिससे समाज का काफी नुकसान होता है । समाज में सामाजिक प्रतिष्ठा के अनुसार की हमारी न्याय व्यवस्था भी चल रही है । जो कि समाज के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है ।

खंड – ग

आशय स्पष्ट कीजिए

1.
उसकी आँसुओं से सनी आँखों में संकट और आतंक की गहरी छाप थी।

उत्तर 1:
ख्यूक्रिन ने जब कुत्ते को पकड़ लिया तो वह बेचारा डर के मारे काँपने लगा उसका यह डर उसकी आँखों में साफ–साफ देखा जा सकता था ।

2.
कानून सम्मत तो यही है... कि सब लोग अब बराबर हैं।

उत्तर 2:
इसका आशय है कि कानून की नजर में सब बराबर हैं कोई छोटा बड़ा नहीं होता सभी को समान अधिकार हैं । यदि कोई अपनी पहचान का रोब दिखाते हुए लोंगों को डराता है गैरकानूनी काम करता है तो यह गलत है ।

3.
हुजूर! यह तो जनशांति भंग हो जाने जैसा कुछ दीख रहा है।

उत्तर 3:
हमारे समाज में कुछ पिछलग्गू या चमचे टाइप के लोग होते हैं जो केवल अपने बॉस की हाँ में हाँ मिलाते हैं और अपने को उनकी छत्रछाया में खुद को सुरक्षित समझते हैं । ऐसा ही कुछ ओचुमेलाव के सिपाही ने उससे कहा ।